राज्य गठन से अब तक के सभी रिकॉर्ड हुए ध्वस्त, वर्ष 2024-25 में 1040 करोड़ मिले

खनन से पहली तिमाही में 331.14 करोड़ की कमाई

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : खनन विभाग ने उत्तराखंड गठन के बाद पहली बार प्रथम तिमाही में कमाई के पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रथम तिमाही में 331.14 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है।

खनन अधिकारियों के अनुसार, राज्य में वित्तीय वर्ष 2022-23 की प्रथम तिमाही में 146.18 करोड़, वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में 177.27 करोड़, वर्ष 2024-25 में 270.37 करोड़ और वर्तमान वर्ष 2025-26 की प्रथम तिमाही में 331.14 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति हुई है। जो पिछले वर्ष की तुलना में 22.47 प्रतिशत अधिक है।

वहीं, पिछले वर्षों के सापेक्ष कई गुना अधिक है। खनन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में राजस्व प्राप्ति के सभी रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए राजस्व का आंकड़ा एक हजार पार करते हुए 1040.57 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है।

एमडीटीएसएस से बनाए जा रहे 45 गेट्स

खनन निदेशक लेघा ने बताया कि खनन को अधिक पारदर्शी, सुदृढ़ बनाने, अवैध खनन व परिवहन की प्रभावी रोकथाम एवं राजस्व वृद्धि के लिए माइनिंग डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एंड सर्विलांस सिस्टम विकसित करने के लिए राज्य सरकार की ओर से कुल 45 माईन चेक गेट्स बनाने की कार्यवाही की जा रही है।

इन नीतियों से बढ़ी आय

खनन निदेशक राजपाल लेघा ने इसका श्रेय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह के कुशल नेतृत्व कोदिया है। उन्होंने कहा कि सीएम धामी सरकार की उपखनिज परिहार नियमावली, उत्तराखंड खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण का निवारण) नियमावली में सरलीकरण, ई-निविदा, सह-ई नीलामी से नए खनिज लॉटों का चिन्हिकरण कर ई-निविदा से आवंटन, निदेशालय स्तर पर गठित प्रर्वतन दल ने अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की प्रभावी रोकथाम की। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त मुख्यालय स्तर पर ई-रवन्ना पोर्टल की निगरानी व अपग्रेडेशन, चार जनपदों देहरादून, हरिद्वार, ऊधम सिंह नगर व नैनीताल में निविदा से आवंटित कंपनी से पट्टाधनराशि की वसूली एवं जिला स्तर पर अवैध खनन, परिवहन, भंडारण पर त्वरित कार्यवाही भी प्रभावी रही।